



Sahil



Jasmeen

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121087101

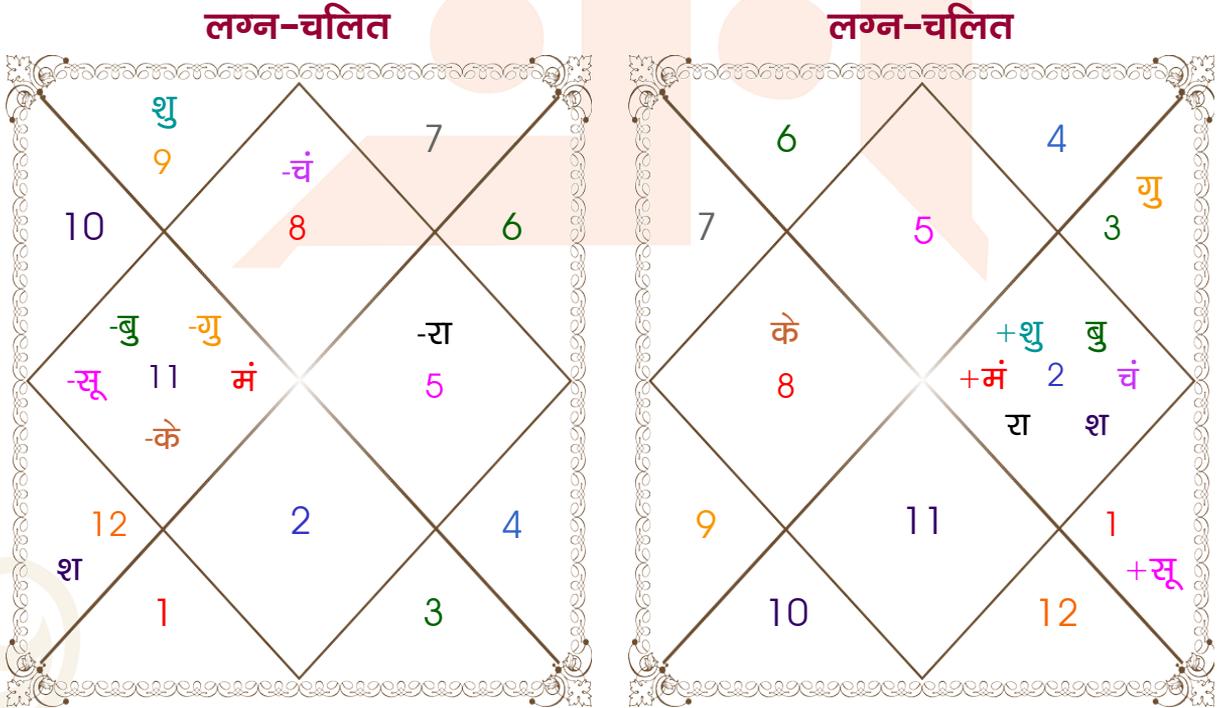
| | | |
|------------------|-----------------------|------------------|
| पुल्लिंग : | लिंग | : स्त्रीलिंग |
| 19-20/02/1998 : | जन्म तिथि | : 13/05/2002 |
| गुरु-शुक्रवार : | दिन | : सोमवार |
| घंटे 02:35:00 : | जन्म समय | : 13:15:00 घंटे |
| घटी 48:34:18 : | जन्म समय(घटी) | : 19:02:07 घटी |
| India : | देश | : India |
| Firozpur : | स्थान | : Moga |
| 30:55:00 उत्तर : | अक्षांश | : 30:49:00 उत्तर |
| 74:38:00 पूर्व : | रेखांश | : 75:13:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व : | मध्य रेखांश | : 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:31:28 : | स्थानिक संस्कार | : -00:29:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 : | ग्रीष्म संस्कार | : 00:00:00 घंटे |
| 07:09:16 : | सूर्योदय | : 05:36:00 |
| 18:22:35 : | सूर्यास्त | : 19:15:23 |
| 23:49:47 : | चित्रपक्षीय अयनांश | : 23:53:06 |
| वृश्चिक : | लग्न | : सिंह |
| मंगल : | लग्न लग्नाधिपति | : सूर्य |
| वृश्चिक : | राशि | : वृष |
| मंगल : | राशि-स्वामी | : शुक्र |
| अनुराधा : | नक्षत्र | : कृतिका |
| शनि : | नक्षत्र स्वामी | : सूर्य |
| 2 : | चरण | : 4 |
| व्याघात : | योग | : अतिगण्ड |
| कौलव : | करण | : बव |
| नी-नीरज : | जन्म नामाक्षर | : ए-ऐश्वर्या |
| मीन : | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | : वृष |
| विप्र : | वर्ण | : वैश्य |
| कीटक : | वश्य | : चतुष्पाद |
| मृग : | योनि | : मेष |
| देव : | गण | : राक्षस |
| मध्य : | नाड़ी | : अन्त्य |
| सर्प : | वर्ग | : गरुड़ |

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|--------------------|----------|--------|----------|--------|----------|----------------------|
| शनि 9वर्ष 8मा 13दि | 23:11:52 | वृश्चि | लग्न | सिंह | 12:16:51 | सूर्य 0वर्ष 7मा 23दि |
| केतु | 07:11:09 | कुंभ | सूर्य | मेष | 28:29:43 | राहु |
| 03/11/2024 | 09:51:25 | वृश्चि | चंद्र | वृष | 08:33:34 | 05/01/2020 |
| 04/11/2031 | 26:12:03 | कुंभ | मंगल | वृष | 26:04:05 | 05/01/2038 |
| केतु 01/04/2025 | 05:10:09 | कुंभ | बुध | वृष | 15:51:08 | राहु 17/09/2022 |
| शुक्र 01/06/2026 | 09:51:42 | कुंभ | गुरु | मिथु | 19:07:43 | गुरु 10/02/2025 |
| सूर्य 07/10/2026 | 28:12:10 | धनु | शुक्र | वृष | 27:24:45 | शनि 18/12/2027 |
| चन्द्र 08/05/2027 | 23:18:24 | मीन | शनि | वृष | 21:05:56 | बुध 06/07/2030 |
| मंगल 04/10/2027 | 16:45:38 | सिंह व | राहु व | वृष | 24:01:19 | केतु 25/07/2031 |
| राहु 22/10/2028 | 16:45:38 | कुंभ व | केतु व | वृश्चि | 24:01:19 | शुक्र 24/07/2034 |
| गुरु 28/09/2029 | 16:08:32 | मक | हर्ष | कुंभ | 04:46:34 | सूर्य 18/06/2035 |
| शनि 07/11/2030 | 06:57:18 | मक | नेप | मक | 17:05:46 | चन्द्र 17/12/2036 |
| बुध 04/11/2031 | 14:07:30 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 23:01:55 | मंगल 05/01/2038 |

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

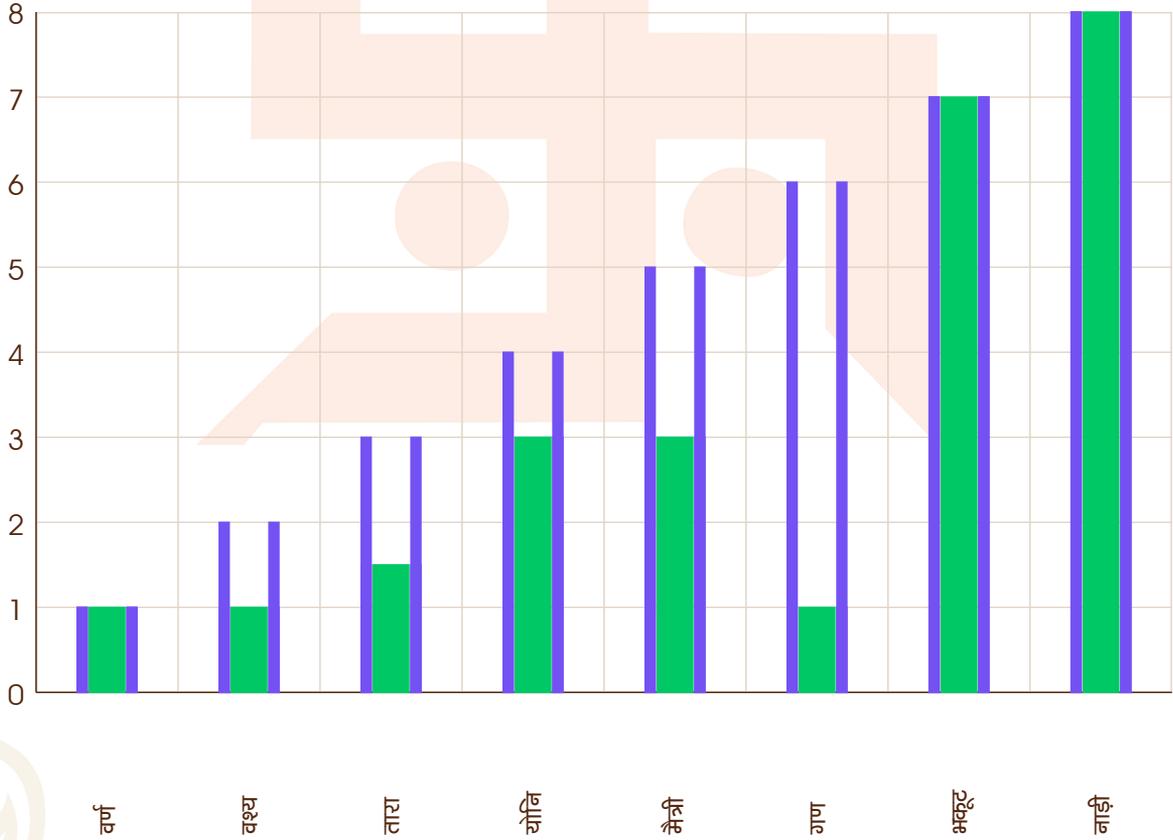
23:49:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:06



अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|--------------|---------|-----------|-----------|--------------|-----|-----------------|
| वर्ण | विप्र | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | कीटक | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मृग | मेष | 4 | 3.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | शुक्र | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | राक्षस | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृश्चिक | वृष | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाडी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 25.50 | | |

कुल : 25.5 / 36



अष्टकूट मिलान

Sahil का वर्ग सर्प है तथा Jasmeen का वर्ग गरुड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil और Jasmeen का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Sahil कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Jasmeen मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Sahil तथा Jasmeen में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Sahil का वर्ण ब्राह्मण तथा Jasmeen का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Jasmeen सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेगी। Jasmeen मितव्ययी होगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेगी।

वश्य

Sahil का वश्य कीट है एवं Jasmeen का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। चतुष्पद एवं कीट दो भिन्न प्राणी हैं। किंतु दोनों का प्रकृति में सह-अस्तित्व है। दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग होते हुए भी दोनों एक-दूसरे के लिए घातक नहीं होंगे। इसी प्रकार, Sahil चतुष्पद अर्थात् पशु एवं Jasmeen कीट वश्य की होने के कारण दोनों के स्वभाव, व्यवहार, गुण, पसंद/नापसंद में अंतर होते हुए भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध सामान्य ही रहने की प्रबल संभावना है। दोनों का स्वभाव गंभीर एवं संकोची रहेगा तथा दोनों सौहार्दता एवं प्रेम से अपना जीवन यापन करते रहेंगे साथ ही अपने-अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Sahil की तारा साधक तथा Jasmeen की तारा प्रत्यरि है। Jasmeen की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Sahil एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Jasmeen का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Jasmeen के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Sahil अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Sahil की योनि मृग है तथा Jasmeen की योनि मेष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे

के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Sahil एवं Jasmeen दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Sahil का गण देव तथा Jasmeen का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Jasmeen निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Jasmeen की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Sahil एवं Jasmeen की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Sahil व Jasmeen को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Sahil की नाड़ी मध्य है तथा Jasmeen की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Sahil एवं Jasmeen के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Sahil की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Jasmeen की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण Sahil और Jasmeen में स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में प्रगाढ़ता होगी तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः मिलान अच्छा रहेगा।

Sahil की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा Jasmeen की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर समराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Sahil और Jasmeen के आपसी संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को अपनी ओर से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनी रहेगी तथा पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि में भी वृद्धि होगी।

Sahil तथा Jasmeen की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Sahil और Jasmeen का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा परस्पर सम्मान पूर्वक समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण स्वीकार करते हुए सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। अतः Sahil और Jasmeen का वैवाहिक जीवन उत्तम रहेगा।

Sahil का वश्य कीट एवं Jasmeen का वश्य चतुष्पद है। कीट एवं चतुष्पद में समानता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

Sahil का वर्ण ब्राह्मण तथा Jasmeen का वर्ण वैश्य है। अतः Sahil क्षीणक शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलाओं में रुचि रखेंगे जबकि Jasmeen धनार्जन संबन्धी कार्यों में तत्पर रहेंगी। इससे कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता रहेगी तथा आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी।

धन

Sahil और Jasmeen दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Sahil मध्य नाड़ी तथा Jasmeen अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु Jasmeen के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। Jasmeen सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Jasmeen को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Sahil और Jasmeen का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Sahil और Jasmeen के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Jasmeen के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Jasmeen को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Jasmeen को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Sahil और Jasmeen सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Sahil और Jasmeen का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Jasmeen के अपनी सास से संबंधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Jasmeen किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Jasmeen के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Jasmeen को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Jasmeen को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Jasmeen के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Jasmeen के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

Sahil की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Sahil सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Sahil ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Sahil के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।